कर्नाटक सरकार

सार्वजनिक शिक्षा मंत्रालय

“मल्लिगे नाडल्ली शिक्षणद परिमल”

क्षेत्र शिक्षणाधिकारि कार्यालय, हुविनाहडगलि

२०१७–१८ वीं साल के एस.एस.एल.सी.
उत्तम परिणाम के लिए संभवनिय प्रश्न पत्र
और पासिंग प्याकेज़

विषय : हिन्दी

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

माननीय मार्गदर्शक :

- **श्री. चंद्रप्पा जी हेच.के.** प्रभारी क्षेत्र शिक्षणाधिकारि, हूविना हडगलि,

रुपणा टोली :

- **श्री. बी.रुद्रेश,** प्रभारी मुख्याध्यापक सरकारी हाईस्कूल, एम.एम.वाडा।
- **श्रीमती हेच.मंगला,** हिन्दी अद्यापिका, एस.के.जी. प.पू.कालेज, हूविना हडगलि।
- **श्री. वीरेश.** हिन्दी अध्यापक, सरकारी प.पू. कालेज, सोगी ।
- **श्री. श्रीनिवास आर.टी.एस.** हिन्दी अध्यापक, सरकारी हाईस्कूल, नंदिहल्लि ।
- **श्री. एल.खादर बाषा** हिन्दी अध्यापक, श्री श.ब. सरकारी हाईस्कूल, मिराकोरन हल्लि।

अनुक्रमणिका

1.	जोडकर लिखिए	–	3 – 4
2.	अनुरूपता	–	4 – 7
3.	व्याकरण	–	7 – 13
4.	अनुवाद	–	13 – 14
5.	निबंध	–	14 – 15
6.	अनदेखे गद्यांश	–	15 – 16
7.	दो अंकवाले प्रश्न	–	16
8.	तीन अंकवाले प्रश्न	–	16 – 17
9.	चार अंकवाले प्रश्न	–	17
10.	पत्र लेखन	–	18
11.	पद्य	–	19
12.	प्रतिदर्श प्रश्न पत्र	–	20 – 22
13.	परीक्ष में उत्तर लिखने के लिए समय विभाजन	–	23
14.	आधार पत्रक	–	24
15.	प्रश्न पत्र का अभिकल्प	–	25

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

ಮುನ್ನುಡಿ

ಈ ಕಿರು ಹೊತ್ತಿಗೆಯಲ್ಲಿ ನೀಡಿರುವ ಎಲ್ಲಾ ಪಠ್ಯವನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ಅಧ್ಯಯನ ಮಾಡಿದರೆ ಖಂಡಿತವಾಗಿಯೂ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಯು ಪ್ರಥಮ ದರ್ಜೆಯಲ್ಲಿ ಪಾಸಾಗುವುದರಲ್ಲಿ ಸಂಶಯವಿಲ್ಲ. 10ನೇ ತರಗತಿ ಪಠ್ಯದಲ್ಲಿ ಬರುವ ಎಲ್ಲಾ ವಿಭಾಗದ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳನ್ನು ವಿಶ್ಲೇಷಿಸಿ ಆಯ್ದ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳನ್ನು ನೀಲ ನಕ್ಷೆ ಆಧಾರದಲ್ಲಿ ನೀಡಲಾಗಿದೆ. ಹಾಗೂ ಎಲ್ಲಾ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳಿಗೆ ಉತ್ತರವನ್ನು ನೀಡಲಾಗಿದೆ.

ವ್ಯಾಕರಣಕ್ಕೆ ಸಂಬಂದಿಸಿದಂತೆ ಪರೀಕ್ಷೆಯಲ್ಲಿ ಬರಬಹುದಾದ ಎಲ್ಲಾ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳನ್ನು ಕ್ರೂಢೀಕರಿಸಲಾಗಿದೆ. ಪತ್ರ ಲೇಖನದ ಮಾದರಿಯನ್ನು ನೀಡಲಾಗಿದೆ. ನಿಬಂಧ (ಪ್ರಬಂಧ) ಕ್ಕೆ ಕೆಲವು ಮಾದರಿಗಳನ್ನು ನೀಡಲಾಗಿದೆ. ಕಂಠಸ್ಯ ಮಾಡುವ ಪದ್ಯಗಳನ್ನು ನೀಡಲಾಗಿದೆ. ಇಲ್ಲಿ ನೀಡಿರುವ ಪಠ್ಯವನ್ನು ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಅರ್ಥಮಾಡಿಕೊಂಡು ಅಧ್ಯಯನ ಮಾಡಬೇಕು ಹಾಗೂ ಹೆಚ್ಚು–ಹೆಚ್ಚು ಬರೆದು ಅಭ್ಯಾಸ ಮಾಡಿದರೆ ಪರೀಕ್ಷೆಯನ್ನು ಸುಲಭವಾಗಿ ಎದುರಿಸಬಹುದು. ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳೇ ಸಮಯವನ್ನು ವ್ಯರ್ಥಮಾಡದೇ ಗಮನವಿಟ್ಟು ಓದಿ ಯಶಸ್ಸು ನಿಮ್ಮದಾಗಲಿ.

ಹೂವಿನಹಡಗಲಿ ತಾಲೂಕಿನ ಎಲ್ಲಾ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆಗಳ ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ ಫಲಿತಾಂಶ ಉತ್ತಮ ಪಡಿಸುವ ನಿಟ್ಟಿನಲ್ಲಿ ಈ ಕಿರು ಹೊತ್ತಿಗೆಯನ್ನು ತಯಾರಿಸಲು ಸೂಕ್ತ ಸಲಹೆ, ಸಹಕಾರ ಹಾಗೂ ಮಾರ್ಗದರ್ಶನ ನೀಡಿದ ಶ್ರೀಯುತ ಹೆಚ್.ಕೆ ಚಂದ್ರಪ್ಪ, ಪ್ರಭಾರಿ ಕ್ಷೇತ್ರ ಶಿಕ್ಷಣಾಧಿಕಾರಿಗಳು, ಹಡಗಲಿ ಹಾಗೂ ಮೇಲ್ವಿಚಾರಕರಾದ ಶ್ರೀ. ಬಿ.ರುದ್ರೇಶ್, ಪ್ರಭಾರಿ ಮುಖ್ಯಗುರುಗಳು, ಸರಕಾರಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ಎಂ.ಎಂ.ವಾಡ ಇವರಿಗೆ ಧನ್ಯವಾದಗಳು.

ಪಾಸಿಂಗ್ ಪ್ಯಾಕೇಜ್‌ನಲ್ಲಿ ಯಾವ – ಯಾವ ವಿಷಯವನ್ನು ಅಳವಡಿಸಬೇಕೆಂದು ಸಲಹೆ ನೀಡಿದ ಸಂಪನ್ಮೂಲ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳಾದ ಶ್ರೀ.ಪಿ.ಎಸ್.ಮೇಟಿ, ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು, ಕೆ.ವಿ.ಹೆಚ್. ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ಕಾಂತೇಬೆನ್ನೂರು, ಶ್ರೀ.ಕೆ. ವೀರೇಶ್, ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು, ಸರಕಾರಿ ಪದವಿ ಪೂರ್ವ ಕಾಲೇಜು, ಸೋಗಿ, ಶ್ರೀಮತಿ ಹೆಚ್.ಮಂಗಳ, ಸೊ.ಕಾ.ಸ.ಪ.ಪೂ.ಕಾಲೇಜು, ಹಡಗಲಿ, ಶ್ರೀ. ಎಲ್.ಖಾದರ್ ಬಾಷಾ ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು, ಸರಕಾರಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ಶ್ರೀ.ಶ.ಬ.ಸರ್ಕಾರಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ ಇವರಿಗೆ ನನ್ನ ಅಭಿನಂದನೆಗಳು.

ವಂದನೆಗಳೊಂದಿಗೆ,

ಶ್ರೀ. ಶ್ರೀನಿವಾಸ, ಆರ್.ಟಿ.ಎಸ್. ಹಿಂದಿ ಶಿಕ್ಷಕರು,
ಸರಕಾರಿ ಪ್ರೌಢಶಾಲೆ, ನಂದಿಹಳ್ಳಿ.
ಹೂವಿನಹಡಗಲಿ ತಾ।। ಬಳ್ಳಾರಿ ಜಿ।।
ಮೊಬೈಲ್ ನಂ. 9008078110

ದಿನಾಂಕ : 01-01-2018
ಸ್ಥಳ : ಹೂವಿನಹಡಗಲಿ

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

जोड़कर लिखिए

4 x 1 = 4

1. इंटरनेट ने पूरे विश्व को	–	एक छोटे गाँव का रूप दिया है।
2. इंटरनेट द्वारा कोई भी	–	बिल भर सकते हैं ।
3. इंटरनेट समाज के लिए	–	बहुत बड़ा वरदान साबित हुआ।
4. इंटरनेट की वजह से	–	पैरसी, हैकिंग आदि बढ़ रही है।
5. इंटरनेट से सबको	–	सचेत रहना चाहिए ।
6. इंटरनेट	–	एक अंतर्जाल
7. इंटरनेट एक विचार विनिमय का साधन है	–	काल्पनिक सभागार
8. तेरे उर में शायित	–	गाँधि, बुद्ध और राम
9. फल–फूलों से युत	–	वन उपवन
10. भारत माँ के हाथों में	–	न्याय पताका और ज्ञान दीप
11. कोटि–कोटि हम	–	आज साथ में
12. मातृ–भू	–	शत–शत बार प्रणाम
13. अमरों की जननी	–	मातृभूमि
14. फ्ल–फूलों से शोभित हैं	–	वन उपवन
15. मातृभूमि के साथ हैं	–	कोटि–कोटि भारतवासि
16. मातृभूमि बाँट रही हैं	–	सुख संपत्ति और धन– धाम
17. सकल नगर और ग्राम	–	जय हिंद का नाद गूँज उठे ।
18. महादेवी वर्मा के पिता	–	गोविंद प्रसाद वर्मा
19. गिल्लू की जीवनावधि	–	दो साल
20. हमारे पूर्वजों का उवतरण	–	काक के रूप में होता थ।
21. लेखिका ने गिलहरी को प्यार से	–	गिल्लू कहने लगा
22. गिल्लू भूख से	–	चिक – चिक करता था ।
23. भारतरत्न	–	सी. एन. आर. राव
24. सिलिकॉन सिटी	–	बेंगलूर
25. चंदन का आगर	–	कर्नाटक
26. लोहे और इस्पात कारखाना	–	भद्रावती
27. गोमटेश्वर की मूर्ति	–	श्रवणबेलगोल
28. सर्वज्ञ	–	संतकवि
29. इंटरनेट क्रांति	–	संवाद
30. मातृभूमि	–	भगवतीचरण वर्मा
31. गिल्लू	–	महादेवी वर्मा
32. गिल्लू	–	रेखाचित्र
33. ईमानदारों के सम्मेलन में	–	व्यंग्य रचना
34. अभिनव मनुष्य	–	कविता
35. अभिनव मनुष्य	–	रामधारीसिंह 'दिनकर'
36. तुलसी के दोहे	–	तुलसीदास
37. तुलसी के दोहे	–	दोहा
38. सूर – श्याम	–	सूरदास
39. सूर – श्याम	–	पद
40. सूरदास का जन्म	–	सन 1540 को हुआ
41. सगुण भक्तिधारा की	–	कृष्ण भक्ति शाखा

HOOVINAHADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

42.	उत्तर प्रदेश का रूनकता	–	सूर का जन्म स्थान
43.	सूरदास जी का मृत्यु	–	सन 1642 को हुई
44.	सेब को रुमाल में बाँधकर	–	मुझे दे दिया ।
45.	फल खाने का समय तो	–	प्रात : काल है ।
46.	एक सेब भी खाने	–	लायक नहीं ।
47.	व्यापारियों की साख	–	बनी हुई थी ।
48.	मेरे पिता	–	जैनुलाबदीन
49.	मद्रास राज्य	–	तमिलनाडु
50.	शम्सुद्दीन	–	चचेरे भाई
51.	अहमद जलालुद्द्दीन	–	अंतरंग मित्र
52.	पक्का दोस्त	–	रमानंद शास्त्री
53.	यह सुनकर काउंटर पर	–	बैठा रोबोट बोला ।
54.	मगर, रोबोदीप, यह तो	–	रोबोटिकी के नियम के विरुद्ध है ।
55.	शाम को रोबोनिल	–	और रोबोदीप मिले ।
56.	सक्सेना परिवार रोबोनिल को	–	पाकर फूला नहीं समा रहा था ।
57.	गंगोत्री ग्लेशियर की चढ़ाई	–	सन 1982
58.	पर्वतारोहियों का सम्मेलन	–	सन 1983
59.	एवरेस्ट की चोट पर पहुँचना	–	सन 1984
60.	बेईमानी करनेवाला	–	रामू
61.	टोली का नाम	–	बाल– शक्ति
62.	इनाम के रूपये	–	पाँच हज़ार
63.	टोली का मुखिया	–	मोहन
64.	ये गाँव के सपूत हैं	–	बुजुर्ग
65.	विश्व कीन्ह	–	करतार
66.	परिहरि वारि	–	विकार
67.	जब लग घट	–	में प्राण
68.	सुसत्यव्रत	–	राम भरोसा एक
69.	लहरा	–	नौका
70.	चींटी	–	दाना
71.	गोताखोर	–	डुबकियाँ
72.	असफलता	–	चुनौती
73.	कमी	–	सुधार

अनुरूपता **4 x 1 = 4**

1.	मातृभूमि के बयें हाथ में	: न्याय पताका	:: मातृभूमि के दहिने हाथ में	: **ज्ञान दीप**
2.	मतृभूमि के अंदर	: खनिज और व्यापक धन है	:: मातृभूमि के बाहर	: **वन – उपवन है।**
3.	वसियत	: नाटक	:: चित्रलेखा	: **उपन्यास**
4.	शात–शत	: द्विरुक्ति	:: हरे–भरे	: **युग्म शब्द**
5.	भगवती चरण वर्मा क जनन	: 1903	:: देहांत काल	: **1981**
6.	केला	: पिला रंग	:: सेब	: लाल रंग
7.	सेब	: फल	:: गाजर	: सबजी
8.	नागपुर	: संतरा	:: कश्मीर	: सेब
9.	कपड़ा	: नापना	:: टोमटो	: तोलना

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

10. समादरित है : कौआ :: अनादरित है : **कौआ**
11. गिल्लू की पूँछ : झब्बेदार थी :: गिल्लू की आँखे : **चमकीली थीं।**
12. गिल्लू के प्रिय खाद्य : काजू :: गिल्लू की प्रिय लता : **सोनजुही**
13. लेखिका लिखिते समय गिल्लू : लिफाफे में रहता था :: गर्मी के दिनों में गिल्लू : **सुराही पर लेटता था**
14. चिक–चिक करता है : गिल्लू :: म्याऊँ–म्याऊँ करता है : **बिल्ली**
15. महादेवी वर्मा का जनन : सन 1907 :: महादेवी वर्मा के निधनकाल : **सन 1987**
16. गुलाब : पौधा :: सोनजुही : **लता**
17. हंस : सफेद :: कौआ : **काला**
18. कोयल : मधुर स्वर :: कौआ : **कर्कष स्वर**
19. गिरि : पहाड़ :: वारि : **सागर**
20. पवन : वायु :: सिंधु : **नदि**
21. जमीन : आसमान :: आकाश : **पाताल**
22. नर : आदमी :: उर : **हृदय**
23. गांधीजी : राष्ट्रपिता :: अब्दुल कलाम : **राष्ट्रपति**
24. जलालुद्दीन : जीजा :: शम्सुद्दीन : **चचेरे भाई**
25. ट्रेन : भू–यात्रा :: नौका : **जल यत्रा**
26. हिन्दू : मंदिर :: इस्लाम : **मस्जिद**
27. पं.राजजिशोर : किशनगंज :: बसंत : **भीखू अहीर का घर**
28. पं.राजकिशोर : मजदूरों के नेता :: बसंत : **एक गरीब शरणार्थी लड़का**
29. पं.राजकिशोर : मलिक :: अमरसिंह : **नौकर**
30. प्रताप : छोटा भाई :: वर्मा : **डाँक्टर**
31. ? : प्रश्नार्थक चिहन :: ! : **विस्मयादि बोधक**
32. इंटरनेट एक ओर : अभिशाप है :: दूसरी ओर : **वरदान**
33. काम को पारदर्शी बन सकता है : ई गवर्नेन्स :: 8-10 व्यक्ति एक साथ चर्चा कर सकते हैं : **वर्चुअल मीटिंग रूम**
34. दूरभाषा और चिट्ठी : समय और पैसे का अधिक खर्च :: इंटरनेट : **सम्य और पैसे का कम खर्च**
35. क्रांतिकारी खोज़ : सोशल नेटवर्किंग :: काल्पनिक सभागार : **वर्चुअल मीटिंग रूम**
36. कंप्यूटर : संगणक यंत्र :: इंटरनेट : **अंतर्जाल**
37. आई.टी : इनफारमेशन टैक्नोलाजी :: आई.टी.ई.एस. : **इनफरमेशन टैक्नोलजी एनेबल्ड सर्विसेस**
38. फेसबुक : वरदान :: हैकिंग : **अभिशाप**
39. वीडियो कान्फरेन्स : विचार – विनिमय :: ई–प्रशासन : **ई – गवर्नेन्स**
40. पाप का मूल : अभिमान :: धर्म का मूल : **दया**
41. तुलसीदास के जन्म स्थान : राजपुर :: तुलसीके निधन : **काशी**
42. परिहरी : त्यागना :: करतार : **कर्ता**
43. जीह : जीभ :: देहरी : **द्वार**
44. पहला दिन : चप्पलें गायब थी :: दूसरे दिन : **ताला**
45. रिक्शा : तीन पहियों का वाहन :: साइकिल : **दो पहियों का वहन**
46. रेलगाड़ी : पटरी :: हवाई जहाज : **गगन**
47. हाथी : जंगली जानवार :: भैंस : **पालतू जनवार**
48. मछली : पानी :: साँप : **उभय**
49. मछली : तैरना :: साँप : **किसकना**
50. हाथी : सूँड़ :: भैंस : **सींघ**
51. आलस : परिश्रम :: नष्ट : **लाभ**

HOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

52. जनो : मानो :: लगा दो : **बना दो**
53. धन : निर्धन :: दिया : **खोया**
54. जीवन : मरण :: खोना : **पाना**
55. शेरू को टहलाना : रोबोनिल :: झबरू को घुमाना : **रोबोदीप**
56. मुखिया : धीरज सक्सेना :: सेवक : **सधोराम**
57. टस से मस न होना : अटल रहना :: फूले न समाना : **अत्यधिक आनंद होना**
58. पहाड़ : गिरि :: चोटी : **शिखर**
59. कालानाग : पर्वत :: गंगोत्री : **शिखर**
60. कर्नल : खुल्लर :: मेजर : **कुमार**
61. चाय : गरम :: बर्फ : **तंडा**
62. पहले हिमालय पर्वतारोही पुरुष : तेनजिंग नोर्ग :: पहली एवरेस्ट पर्वतारोही महिला : **बिछेंद्री पाल**
63. बलबद्र : बलराम :: कान्ह : **कृष्णा**
64. जसोदा : माता :: नंद : **पित्त**
65. रीझना : मोहित होना :: खिजाना : **व्यंग्य रचना**
66. बल वात्सल्य : यशोदा :: भोलेपन : **कृष्ण**
67. बलराम : गोरा रंग :: कृष्ण : **श्याम रंग**
68. कृष्ण के पिता : वसुदेव :: कृष्ण की माता : **देवकी**
69. बलवीर : बलराम :: जसोदा : **यशोदा**
70. कर्नाटक की राजधानी : बेंगलूर :: कर्नाटक की भाषा : **कन्नड**
71. कावेरी,कृषण, तुंगभद्रा : कर्नाटक में बहनेवाली नदियाँ :: जोग, अब्बी, गोकाक : **कर्नाटक के जल प्रपात**
72. मैसूर में : राजमहल :: बिजापुर में : **गोलगुंबज**
73. दक्षिण से उत्तर के छोर की पर्वतमाला : पश्चिमी घाट :: दक्षिण की पर्वतावलियाँ : **नीलगिरी**
74. कर्नाटक : चंदन का आगर :: बेंगलूर : **सिलिकान सिटी**
75. सी.वी. रामन : नोबेल पुरस्कृत :: सर. एम. विश्वेश्वरय्या : **भारत रत्न**
76. भद्रावती : लोहे और इस्पात :: मैसूर : **चंदन तथा कागज**
77. बेलूर : शिल्पकला :: गोलगुबज़ : **वास्तुकला**
78. सेंट फिलोमिना : चर्च :: जगनमोहन राजमहल : **राजमहल**
79. कृष्णदेवराय : शासक :: कनकदास : **दासश्रेष्ठ**
80. पंपा : प्रचीन कवि :: कंबार : **अधुनिक कवि**
81. मेहनत : परिश्रम :: कोशिश : **प्रयत्न**
82. चढ़ना : उतरना :: हारना : **जीतना**
83. स्वीकार : इन्कार :: चैन : **बेचैन**
84. सिंधु : समुद्र :: हाथ : **हस्थ**
85. मातृभूमि : कविता :: कश्मीरी सेब : **कहानी**
86. अभिनव मनुष्य : कविता :: गिल्लू : **रेखाचित्र**
87. मेरा बचपन : आत्मकथा :: बसंत की सच्चाई : **एकांकी**
88. तुलसी के दोहे : दोहा :: सूर – श्याम : **पद**
89. इंटरनेट क्रांति : निबंध :: दुनिया में पहला मकान : **लेख**
90. महिला की साहस गाथा : व्यक्ति परिचय :: ईमानदारों के सम्मेलन : **व्यग्य रचना**
91. समय की पहचान : कविता :: रोबोट : **कहानी**
92. कर्नाटक संपदा : निबंध :: बाल–शक्ति : **लघु नाटिका**
93. मातृभूमि : भगवतीचर्ण वर्मा :: अभिनव मनुष्य : **रामधारीसिंह 'दिनकर'**

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

94. समय की पहचान : सियारामशरण गुप्त :: कोशिश करनेवालोंकी हार नहीं होती : **सोहनलाल द्विवेदी**
95. कश्मीरी सेब : प्रेमचंद :: गिल्लू : **महादेवी वर्मा**
96. मेरा बचपन : डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम :: बसंत की चसच्चाई : **विष्णु प्रभाकर**
97. ईमानदारों के सम्मेलन में : हरिशंकर परसाई :: दुनिया में पहला मकान : **डॉ. विजय गुप्ता**
98. रोबोट : डॉ प्रदीप मुख्योपाध्याय 'आलोक' :: बाल–शक्ति : **जगतराम आर्य**

प्रेरणार्थक क्रिया शब्द

1

क्र.सं	क्रिया	प्र.प्र.रूप	दि.प्र.रूप
1	चिपकना	चिपकाना	चिपकवाना
2	लिखना	लिखाना	लिखवाना
3	मिलना	मिलाना	मिलवाना
4	चलना	चलाना	चलवाना
5	देखना	दिखाना	दिखवाना
6	भेजना	भिजाना	भिजवाना
7	खेलना	खिलाना	खिलवाना
8	देना	दिलाना	दिलवाना
9	सोना	सुलाना	सुलवाना
10	रोना	रुलाना	रुलवाना
11	धोना	धुलाना	धुलवाना
12	खुलना	खुलाना	खुलवाना
13	पीना	पिलाना	पिलवाना
14	सीखना	सीखाना	सिखवाना
15	माँगना	माँगाना	मँगवाना
16	उठना	उठाना	उठवाना
17	सुनना	सुनाना	सुनवाना
18	हँसना	हँसाना	हँसवाना
19	जीतना	जीताना	जीतवाना
20	छेडना	छेडाना	छेडवाना

क्र.सं	क्रिया	प्र.प्र.रूप	दि.प्र.रूप
21	बाँटना	बँटाना	बँटवाना
22	माँझना	मँझाना	मँझवाना
23	जाँचना	जँचाना	जँचवाना
24	देखना	दिखाना	दिखवाना
25	पढ़ना	पढ़ाना	पढ़वाना
26	सुनना	सुनाना	सुनवाना
27	करना	कराना	करवाना
28	जगना	जगाना	जगवाना
29	भेजना	भिजाना	भिजवाना
30	बैठना	बिठाना	बिठवाना
31	ठहरना	ठहराना	ठहरवाना
32	लौटना	लौटाना	लौटवाना
33	उतरना	उतराना	उतरवाना
34	पहनना	पहनाना	पहनवाना
35	बनना	बनाना	बनवाना
36	लगना	लगाना	लगवाना
37	समझना	समझाना	समझवाना
38	लौटना	लौटाना	लौटवाना
39	जगना	जगना	जगवाना
40	दौडना	दौडाना	दौडवाना

विलोम शब्द

1

शाम x सुबह	प्रिय x अप्रिय	ज्ञान x अज्ञान	अरोहण x अवरोहण
खरीदना x बेचना	बलवान x बलहीन	जीत x हार	ठंडा x गरम
बहुत x कम	बुद्धिमान x मूर्ख	असीमित x सीमित	परिश्रम x आलस्य
अच्छा x बुरा	शक्तिमान x शक्तिहीन	तोड x जोड़	सामने x पीछे
शिक्षित x अशिक्षित	उत्तीर्ण x अनुत्तीर्ण	सफल x असफल	सुंदर x कुरूप
अवश्यक x अनावश्यक	उपस्थित x अनुपस्थित	अपना x पराया	विदेश x स्वदेश
गरीब x अमीर	दयावान x दयाहीन	पीछे x आगे	सदाचार x दुराचार
रात x दिन	उपयोग x दुरुपयोग	लेना x देना	अयत x निर्यात
संदेह x निसंदेह	उचित x अनुचित	शांति x अशांति	आय x व्यय
साफ x गंदा	होश x बेहोश	विवेक x अविवेक	उल्टा x सीदा

HOOVINA HADAGALI TALUK SOURING PACKEGE

बेईमान x इमान	खबर x बेखबर	दया x निर्दया	अंधकार x प्रकाश
विश्वास x अविश्वास	चैन x बेचैन	मुमकिन x नमुमकिन	वरदान x अभिषाप
सहयोग x असहयोग	धन x निर्धन	दुरुपयोग x सदुपयोग	स्वस्थत x अस्वस्थ
हानी x लाभ	जन x निर्जन	आगमन x निर्गमन	स्वीकार x अस्वीकर
पास x दूर	पारदर्शी x अपारदर्शी	मजबूत x कोमल	हँसना x रोना
गम x खुशी	नवीन x प्राचीन	लंबी x छोटी	लिखित x अलिखित
भीतर x बाहर	पुरूष x स्त्री	पास x दूर	रोजगार x बेरोजगार
चढ़ना x उतारना	नर x नारी	दोस्त x शत्रु	पूर्व x पश्चिम
संतोष x असंतोष	समान x असमान	काटना x जोडना	सजीव x निर्जीव

अन्य वचन रूप 1

चीज	चीजें	रास्ता	रास्ते	रूपए	रूपयाँ	फल	फल
आँख	आँखे	व्यापारी	व्यापारियाँ	रेवडी	रेवडियाँ	दूकान	दूकानें
उँगली	उँगलियाँ	पूँछ	पूँछे	खिडकी	खिडकियाँ	पंजे	पंजे
लिफाफा	लिफाफे	कौआ	कौआ	गमला	गमले	घोंसला	घोंसले
बच्चा	बच्चें	गाली	गालियाँ	केल	केले	नौका	नौकाएँ
प्रति	प्रतियाँ	पुस्तक	पुस्तकें	बात	बातें	जेब	जेब
आवाज़	आवाज़े	टाँगें	टाँग	मकान	मकान	पैर	पैर
पैसे	पैसा	कपड़ा	कपडे	हड्डी	हड्डियाँ	परदा	परदें
खबर	खबरें	किताब	किताबें	जगह	जगहें	कोशिश	कोशिशों
युग	युग	दोस्त	दोस्त	कंप्यूटर	कंप्युटर	रिश्तेदार	रश्तेदार
जिन्दगी	जिन्दगियाँ	चिट्ठी	चिट्ठियाँ	जीवनशैली	जीवनशैलियाँ	चादर	चादरें
डिब्बा	डिब्बें	कहानी	कहानियाँ	गुफा	गुफायें	पेड़	पेड़
मछली	मछलियाँ	लकड़ी	लकडीयाँ	पट्टी	पट्टियाँ	बेटा	बेटे
नाती	नातियाँ	कुत्ता	कुत्ते	छुट्टी	छुट्टियाँ	बेटी	बेटियाँ
पोता	पोते	कंपनी	कंपनियाँ	नौकरी	नौकरियाँ	शीश	शीशा
चोटी	चोटियाँ	प्रति	प्रतियाँ	कवित	कविताएँ	कमरा	कमरें

अन्य लिंग रूप 1

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लि ंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
लेखक	लिखिका	श्रीमान	श्रीमती	मयूर	मयुरी	कुत्ता	कुतिया
लड़का	ल डकी	बच्चा	बच्ची	दुबला	दुबली	पतला	पतली
थैली	थैली	साहेब	साहिबा	भाई	बहन	बाप	माँ
डॉकटर	डॉकटर	पंडित	पंडिताइन	आदमी	औरत	हाथी	हाथिन
भैंस	भैंसा	शेर	शेरनी	पुरूष	स्त्री	बेटा	बेटी
घर	घर	नौकर	नौकरानी	भाग्यवान	भाग्यवती	स्वामी	स्वामिन
माली	मालकिन	ठाकूर	ठाकूराइन	सेवक	सेविका	बालक	बालिका
मोर	मोरनी	कवि	कवयित्री	युवक	युवती	पति	पत्नी

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

: संधि :

दो वर्णों या अक्षरों के मेल से होनेवाले विकार को संधि कहते हैं

संधि के तीन भेद है : 1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि

1.स्वर संधि :

स्वर संधि के भेद : 1. दीर्घ संधि 2. गुण संधि 3. वृद्धि संधि 4. यण संधि 5. आयादि संधि

1. दीर्घ संधि :– { अ, आ + अ, आ = आ }

समानाधिकार, धर्मात्मा, विद्यार्थी, सत्यार्थ, रत्नाकर , राजाज्ञा, ज्ञानाभाव, धर्मात्मा, वद्याआलय मतानुसार, स्वार्थी वीरांगन साष्टंग, दीपावली, शिवालय, सत्याग्रह, यथार्थ, विद्यार्थी, परीक्षार्थी, महात्मा, महाशय

{ इ, ई + इ, ई = ई }

रवीन्द, गिरीश, महीन्द्र, महीश्वर, परीक्षा, गौरीश्वर, अभीष्ट, गिरिश, कविन्द्र, अतीव, मुनिश, कपीशा, रजनी,

{ उ, ऊ, ऋ + उ, ऊ, ऋ = ऊ, रू }

गुरुपदेश, लघुर्मि, वधुत्सव, भानूदय, लघुपचार, लघुत्तर,

2. गुण संधि :–{ अ, आ + इ, ई = ए } { अ, आ + उ, ऊ = ए } { अ, आ + ऋ = अर}

देवेन्द्र , गणेश, महेन्द्र, रमेशा, सुरेशा, नरेश, अपेक्षा, मरमेश्वर, राजेन्द्र, वीरोचित, महोत्सव, परोपकार, हृदयोर्मी, महोर्मी, सुर्योदय, जलोर्मी , वार्षिकोत्सव, सत्पर्षि, महर्षि, राजर्षि,

3. वृद्धि संधि :–{ अ, आ + ए , ऐ = ऐ } { अ, आ + ओ, औ = औ }

एकैक, सदैव, मतैक्या, तथैव, महैश्वर्य , वनौषधि, जलौध, महोज, महौषध, महौदर्या , परमौज, वनौषध, महौजस्वी,

4. यण संधि :– { इ + अ , आ , उ = य, या, यु } { उ, + अ, आ = व } { ऋ + अ, आ, उ = र }

यद्यपि, अत्यधिक, अत्यंत, मत्यंतर , अत्याचार, न्याय, इत्यादि , अत्यावश्यक, प्रत्युपकार, अत्युत्तम, प्रत्येक, गुर्वाज्ञा, लघ्विच्छा, अन्वय, पित्रादेश, स्वागत, स्वच्छा, मन्वंतर, पित्रानुमति, पित्राज्ञा, पित्रुपदेश, मात्राज्ञा,

5. अयादि संधि :– { ए + भिन्न स्वर = अय } { ऐ + भिन्न स्वर = आय }
{ ओ + भिन्न स्वर = अव } { औ + भिन्न स्वर = आव }

चयन, नयन, गायक, नायिका, भवन, पावन, नाविक, नाविक, भावुक,

2. व्यंजन संधि :– (पूर्व पद या उत्तर पद में व्याजन होते है)

दिग्गज, सद्वाणी, अच, षड्दर्शन , वागजल, तद्रूप, अच्चरण, उल्लेख, उद्धार, उल्लास, उन्नति , उच्छल, सज्जन, सद्गती, तल्लीन, दिगंबर, दिग्भ्रमा, जगदानंद, जगन्नाथ ,

3. विसर्ग संधि :– (स्वर , व्यंजन + : =)

निश्चय, निष्कपट, नीरस, दुर्गंध, मनोरथ, पुरोहिता, तपोवन, निश्चल, दुश्शासन, निर्धन,

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

: समास :

1. अव्ययीभव समास (पहला / पूर्व पद प्रधान)

आजन्म, बेखटके , भर पेट, यथासंभव, अनजाने,

2. कर्मधारय समास *(उत्तर पद प्रधान)*

सद्धर्म, (सत है जो धर्म) पीतांबर, नीलकंठ, कनकलता, चंद्रमुख,
मुखचंद्र , करकमल, महाकवि, महाविद्यालय, न्याय पतक, प्रियजन, काकापुराण,
नील परदा, नीलगिरी, नीलकमल, विशालाक्षी, महापुरूष,

3. तत्पुरुष समास (दूसरा / उत्तर पद प्रधान) (के, के द्वारा, के लिए, से, का, की, के, में, पर –लोप)

क) कर्म तत्पुरूष (कर्म कारक 'को' लोप) –

स्वर्गप्राप्त (स्वर्ग को प्राप्त), ग्रंथकार, गगनचुंबी, चिड़ियामार, परलोकगमन,

ख) करण तत्पुरूष (करण कारक 'से', ' के द्वारा ' लोप)

अकालपीड़ित, (अकाल से पिड़ित) सूरकत, शक्तिसंपन्न, रेखंकित, अश्रुपूर्ण,
कामचोर, देहचोर, शक्तिसंपन्न, हस्त लिखित

ग) संप्रदान तत्पुरूष (संप्रदान कारक ' के लिए ' लोप) सत्याग्रह (सत के लिए आग्रह)

राहखर्च, सभाववन, देशभक्ति, देशप्रेम, गुरूदक्षिणा, हथकडी,
बलिपशु, रसोई घर, देवालय, देशभक्ति, धर्म शाला, न्यायालय,
गोशाला, गुरुदक्षिण, सभाभवन, राहखर्च, सत्याग्रह, देशप्रेम,

घ) अपादान तत्पुरूष (अपादान कारक ' से ' लोप) धनहीन (धन से हीन)

जन्मांध, पथभ्रष्ट, देशनिकाला, बंधन मुक्त, धर्माविमुख, पदमुक्त, धर्मभ्रष्ट,
नेत्रहीन, पदमुक्त, लक्ष्यहीन, दयाहीन,

च) संबंध तत्पुरूष (संबंध कारक ' का, की, के ' लोप)

प्रेमसागर (प्रेम का सागर), जलधारा (जल की धारा) राजापुत्र (राजा के पुत्र)
भूदान, देशवासी, घुडदौड, सेनापति, जलधारा, सिरदर्द,
अन्नदान, उल्कापात, गंगाजल, यमराज, राजसभा

छ) अधिकरण तत्पुरूष (अधिकरण कारक ' में, पर ' लोप), आपबीती (अप पर बीती)

कार्य कुशल, दानवीर, शरणागत, नरश्रेष्ठ, नरोत्त्म, रणवीर,

4. द्विगु समास *(पहला पद संख्यावाची),* सतसाई (सात सौ का समूह) त्रिधारा,

पंचवटी, त्रिवेणी, शताब्दी, चौराह, बारहमासा, नौरत्न,
सप्तसिंधु, त्रिभुवन, आठन्नी, त्रिकाल, नवग्रह, पंचमुख,
त्रिनेत्रा, त्रिफला, त्रिपादा, बारहमास,

5. द्वंद्व समास (दोनों पद प्रधान, और, तथा या, अथवा, एवं – लोप) सीता – राम (सीता और राम)

पाप –पुण्य, सुबह – शाम, सुख – दुख, दाल – रोटी, इधर – उदर, दो – चार,
भला – बुरा, भाई – बहन, रात – दिन, माता – पिता, अन्न – जल, लेना – देना,
राधा– कृष्ण, रूपया –पैसा, माँ – बाप, दाल – बात, गाय – बैल

6. बहुव्रीहि समास (समस्तपद के बदले कोई तीसरा पद प्रधान हो)

(अंत में –> जिसक, जिसके, जिसकी, या, वाल, वाले, वाली)

घनश्याम {धन के समान श्याम रंग है जिसका (कृष्ण)} श्वेतांबरी, लंबोदर, चक्रपाणि,
त्रिनेत्र, दशानन, नीलकंठ, चतुर्भुज, दिगम्बर, चतुर्भुज,
जितेंद्रिय, पीतांबर, पंचानन, मिठबोला,

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

पर्यायवाची / समानार्थक शब्द 1

दुनिया = संसार, जगत	घर = मकान, आगर	भेंट = मुलाकात	नवीन = नया, नवा
विचित्र = वैचित्र, विभिन्न	बुनियाद = जढ़	पहाड़ = गिरि, पर्वत	आकाश = भानु, नभ
जल = पानी, नीर, वरी	शरीर = देह, गात	चोटी = शिखर, पर्वत	कमी = अभाव
वारी = समुद्र, सागर, रत्नाकर	दोस्त = मित्र	सुबह = सबेरे, उषाकाल	नज़दीक = समीप
महिला = नारी, स्त्री, औरत	पेड़ = वृक्षा, तरू	कर = झाथ, हस्थ	नज़रिया = दृष्टिकोण

मुहावरे 1

1. पौ फटना = प्रभात होना
2. काम आना = काम कें आना, इस्तेमाल होना
3. टस से मस न होना = अटल रहना
4. फूले न समाना = अत्यधिक आनंद होना
5. आँखें चुराना = अपने आप को छिपाना
6. अकल का अंधा = मूर्ख
7. कान भरना = चुगली करना
8. आस्तीन का साँप = कपटी मित्र
9. नौ दो ग्यारह होना = इधर–उधर भाग जाना
10. आँखे खुलना = ज्ञानोदय होना
11. ईद का चाँद होना = बहुत दिनों के बाद आना
12. हवा से बातें करना = तेज से चले जाना
13. बात की धनी = बहुत बातें करनेवाले
14. राहत की साँस लेना = चैन की साँस लेना / तसल्ली करना
15. पेट पर लात मारना = हानी पहुँचना
16. आँखे आना = आश्चर्यचकित होना
17. अंगूठा दिखा देना = वक्त आने पर इनकार करना
18. हलचल मचाना = शोर मचाना
19. हथों के तोतो उड़ाना = नौकरी या सहूलियत छीनना
20. अंगारे उगलना = क्रोध में कठोर वचन बोलना
21. अपना उल्लू सीधा करना = काम निकालन (स्वार्थ पूरा करना)
22. आग बबूल होना = अधिक क्रोधित होना
23. आसमान सिर पर उठाना = शोर करना
24. कमर कसना = तैयार होना
25. खून पसीना एक करना = बहुत मेहनत करना
26. छक्के छुड़ाना = बूरी तरह हराना
27. दाल न गलना = सफल न होना

HOOVINAHADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

विराम चिन्ह 1

1. अल्प विराम	. . . . .	,
2. अर्ध विराम	. . . . .	;
3. पूर्ण विराम	. . . . .	।
4. प्रश्न चिहन	. . . . .	?
5. विस्मयादिबोधक चिहन	. . . . .	!
6. योजक चिहन	. . . . .	–
7. उद्धरण चिहन	. . . . .	“ ”
8. कोष्टक चिहन	. . . . .	( )
9. विवर्ण चिहन	. . . . .	: –

कारक – आठ भेद हैं 1

1.	कर्ता कारक	–	**ने**
2.	कर्मा कारक	–	**को**
3.	करण कारक	–	**से**
4.	संप्रदान कारक	–	**के लिए**
5.	अपादान कारक	–	**से**
6.	संबंध कारक	–	**का, के, की**
7.	अधिकरण कारक	–	**में, पर**
8.	संबोधन कारक	–	**अरे,हे,ओ, हो, वाह**

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 1

1.	जो दूसरों की भलाई करता हो	–	परोपकारी
2.	जो हर समय हँसता रहता हो	–	हँसमुख
3.	जो सबसे प्रसन्नतापूर्वक मिलता–जुलता हो	–	मिलनसार
4.	जो ईश्वर में विश्वास करता हो	–	आस्तिक
5.	जो सब कुछ जानता हो	–	सर्वज्ञ
6.	जो गीत गाता हो	–	गायक
7.	जिसकी कल्पना की जा सके	–	काल्पनिक
8.	परिचित न हो	–	अपरिचित
9.	कम बातचित करनेवाली	–	मितभाषी
10.	कविता लिखनेवाला	–	कवि
11.	कविता लिखनेवाली	–	कवयित्रि
12.	शक्त न हो	–	अशक्त
13.	पूजा करने के लिए योग्य	–	पूजनीय
14.	मांसाहार सेवन करनेवाला	–	मांसाहारी

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

15. दया न रहनेवल – निर्दयी
16. कृपा रहनेवाला – कृपालू
17. आकार न रहनेवाला – निराकार
18. सर्व स्थल में रहनेवाल – सर्वव्यापी
19. सार्थक न होनेवाल – निरर्थक
20. उत्तम आचार रहनेवाल – सदाचार
21. साथ रहनेवाली – सहपाठी
22. अधिक विद्या प्राप्त – विद्वान
23. जो पढ़ा लिखा ना हो – अनपढ़
24. मास में एक बार आनेवाला – मासिक
25. जहाँ पहुँचा न जा सके – दुर्गम
26. जो कभी न मरे – अमर
27. अच्छे चरित्रवाला – सच्चारित्र
28. जो स्थिर रहे – स्थाई
29. जिसे क्षमा न किया जा सके – अक्षम्य
30. जो वन में घूमता हो – वनचार
31. जिसका संबंध पश्चिम से हो – पाश्चात्य
32. जो उपकार मानता हो – कृतज्ञा

अनुवाद

4 x 1 = 4

1. इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है ।
   ಅಂತರ್ಜಾಲವು ಆಧುನಿಕ ಜೀವನ ಶೈಲಿಯ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣ ಅಂಗವಾಗಿದೆ.
2. इंटरनेट द्वारा घर बैठे–बैठे खरीदारी कर स्ते हैं।
   ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಮೂಲಕ ನಾವು ಮನೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಕುಳಿತು ಕೊಂಡು ವ್ಯಾಪಾರವನ್ನು ಮಾಡಬಹುದು.
3. इंटरनेट की सहायता से बेरोजगारी को मिटा सकते हैं ।
   ಅಂತರ್ಜಾಲದ ಸಹಾಯದಿಂದ ನಿರುದ್ಯೋಗ ಸಮಸ್ಯೆಯನ್ನು ಹೋಗಲಾಡಿಸಬಹುದು.
4. कई घंटे के उपचार के उपरांत मुँह में एक बूँदे पानी टपकाया ।
   ಹಲವು ಗಂಟೆಗಳ ಉಪಚಾರದ ನಂತರ ಅದರ ಬಾಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರನ್ನು ಹಾಕಲಾಯಿತು.
5. इतने छोटे जीव को घर में पले कुत्ते–बिल्लियों से बचाना भी एक समस्या ही थी ।
   ಇಷ್ಟೊಂದು ಚಿಕ್ಕ ಜೀವಿಯನ್ನು ಮನೆಯಲ್ಲಿಯೇ ಸಾಕಿದ ನಾಯಿ–ಬೆಕ್ಕುಗಳಿಂದ ಉಳಿಸುವುದು ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಸಮಸ್ಯೆಯೇ ಆಗಿತ್ತು.
6. दिन भर गिल्लू ने न कुछ खाया, न बाहर गया । ದಿನಪೂರ್ತಿ ಅಳಿಲು ಏನನ್ನೂ ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ, ಹೊರಗೂ ಬರಲಿಲ್ಲ.
7. गिल्लू मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता था । ಅಳಿಲು ನನ್ನ ಬಳಿ ಇಟ್ಟಿದ್ದ ನೀರಿನ ಹೂಜಿಯ ಬಳಿ ಮಲಗುತ್ತಿತ್ತು.
8. कर्नाटक में कन्नड भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलूर है ।
   ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ ಮತ್ತು ಬೆಂಗಳೂರು ಕರ್ನಾಟಕದ ರಾಜಧಾನಿ.
9. कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में है । ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು ಹೆಚ್ಚಾಗಿವೆ.
10. जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय है ।
    ಜಗನ್‌ಮೋಹನ ಅರಮನೆಯು ಪುರಾತನ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯವು ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಣೀಯವಾಗಿದೆ.
11. वचनकार बसवण्ण क्रांतिकारी समाज सुधारक थे । ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣನವರು ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು.
12. हम आपको आने–जाने के पहले दर्ज का किराया देंगे ।
    ನಾವು ನಿಮಗೆ ಹೋಗಿ–ಬರುವ ಪ್ರಥಮ ದರ್ಜೆಯ ಟಿಕೆಟ್ ಹಣವನ್ನು ನೀಡುತ್ತೇವೆ.

HOOVINAHADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

13. स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ । ರೈಲ್ವೆ ನಿಲ್ದಾಣದಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಅದ್ಧೂರಿಯ ಸ್ವಾಗತ ದೊರೆಯಿತು.
14. देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारना चाहिए । ನೋಡಿ ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಜಾಗದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬಾರದು.
15. अब मैं बचा हूँ। अगर रूका तो मैं ही चुरा लिया जाऊँगा ।
ಸಧ್ಯ, ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದೇನೆ. ಒಂದು ವೇಳೆ ಇಲ್ಲೇ ಉಳಿದುಕೊಂಡರೆ ನನ್ನನ್ನೂ ಸಹ ಕಳವು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ.
16. गजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी । ಕ್ಯಾರೇಟ್ ಸಹ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತು ಆಗಿತ್ತು.
17. दुकानदार ने कहा– बड़े मजेदार सेब आये हैं । ಅಂಗಡಿಯವನು ಹೇಳಿದ – ಬಹಳ ರುಚಿಕರವಾದ ಸೇಬುಗಳು ಬಂದಿವೆ.
18. एक सेब भी खाने लायक नहीं । ಒಂದು ಸೇಬು ಸಹ ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಗಿರಲಿಲ್ಲ.
19. दूकानदार ने मुझसे क्षमा माँगी । ಅಂಗಡಿಯವನು ನನ್ನಿಂದ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದನು.
20. बडी कठिनाई से मैने उसे थाली के पास बैठना सिखाया
ಬಹಳ ಕಷ್ಟ ಪಟ್ಟು ನಾನು ಅದನ್ನು ತಟ್ಟೆಯ ಪಕ್ಕದಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ.
21. गिलहरि की आयु लगभग 2 वर्ष की है । ಅಳಿಲಿನ ಆಯಸ್ಸು ಸರಿಸುಮಾರು 2 ವರ್ಷ ಆಗಿದೆ..
22. सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका । ಬೆಳಿಗ್ಗೆಯಿಂದ ಇಲ್ಲಿಯವರೆಗೂ ಏನೂ ಮಾರಾಟ ಆಗಿಲ್ಲ.
23. बड़ी मुश्किल से बसंत को घर ले गए । ಬಹಳ ಕಷ್ಟ–ಪಟ್ಟು ಬಸಂತನನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು.
24. मैं भीख नहीं लूँगा । ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆ ತೆಗೆದು ಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ.
25. बसंत ओंठ भींचकर आह सींचता है । ಬಸಂತನು ತುಟಿಯನ್ನು ಕಚ್ಚಿ ನೋವಿನ ಉಸಿರೆಳೆದನು.
26. यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है । ಇವನು ಬಡವ ಆದರೆ ಇವನಲ್ಲಿ ಮಹತ್ತರವಾದ ಗುಣವಿದೆ.
27. भैंस ने दोस्तों को पंजर दिखाया । ಎಮ್ಮೆ, ಗೆಳೆಯರಿಗೆ ಅಸ್ಥಿಪಂಜರವನ್ನು ತೋರಿಸಿತು.
28. साँप ने कहा, ' आगे की बात मैं नहीं जानता' । ಹಾವು ಹೇಳಿತು, 'ಮುಂದಿನ ವಿಷಯ ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ'.
29. हाथी बोला, " इसमें क्या कठिनाई हैं ?" । ಆನೆಯು ಹೇಳಿತು, ' ಇದರಲ್ಲಿ ಏನು ಕಷ್ಟ ಇದೆ'.
30. तालाब में एक बहुत बड़ी मछली तैर रही थी । ಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಮೀನು ಈಜುತಿತ್ತು.
31. बिछेंद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था । ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರ ಜನ್ಮ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಆಗಿತ್ತು.
32. बिछेंद्री को रोज़ पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था ।
ಬಿಛೇಂದ್ರಿಯವರು ಪ್ರತಿ ದಿನ ನಡೆದುಕೊಂಡು ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿತ್ತು.
33. दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी । ದಕ್ಷಿಣದ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.
34. मुझे लगा की सफलता बहुत नज़दीक है । ಯಶಸ್ಸು ಬಹಳ ಹತ್ತಿರದಲ್ಲಿದೆ ಎಂದು ನನಗೆ ಅನಿಸಿತು.
35. मैं एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी ।
ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ತಲುಪಿದ ಭಾರತದ ಪ್ರಥಮ ಮಹಿಳೆ ಆಗಿದ್ದೆ.

निबंध लेखन 4

इंटरनेट

अर्थ : अनेक कंप्यूटरों के साथ संबंध स्थापित करनेवाले जाल को इंटरनेट कहते हैं ।

लाभ : इंटरनेट से अनेक लाभ है । अनमें प्रमुख है खरिदारी कर सकते हैं। कोई बिल बर सकते हैं। एक जगह से दूसरी जगह में रकम भेजी जा सकती हैं । दूर – दूर रहने – वाले लोगों में विचार विनिमय कर सकते हैं।

हानि: इंटरनेट एक ओर लाभ हैं तो दूसरी ओर हानि भी है । वे हैं बैकिंग की पैरसी–खबरोंकी चोरी, फ्राँड, छोटे बच्चे और युवा पीढ़ी इंटरनेट की कबंध बाँहों के पाश में फँस हुए हैं ।

उपसंहार : इंटरनेट वैज्ञानिक क्षेत्र में क्रांतिकारी खोज है । इससे लाभ भी है और हानि भी है । इसका उपयोग बहुत होशियार से करना चाहिए ।

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

स्वच्छता अभियान

भूमिका : स्वच्छता, अभियान भारत सरकार का एक सफाई अभियान है ।

सफाई का महत्व : स्वच्छ जीवन जीने के लिए स्वच्छता का विशेष महत्व है। स्वच्छता अपनाने से व्यक्ति रोग मुक्त रहता है और एक स्वस्थ राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है । अत: हर व्यक्ति को जीवन में स्वच्छता अपनानी चाहीए और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए ।

अभियान सफल बनाने के लिए आपके सुझाव : इस अभियान को सफ्ल बनाने के लिए विश्व स्तर पर लोग शिक्षक और स्कूल के छात्र पूर्ण उत्साह और उल्लास के साथ इसमें शामिल होना है और स्वच्छता अभियान को सफ्ल बनाने के लिए प्रयास करना है ।

उपसंहार : हम सभी ने कहावत सुना है – स्वच्छता भगवान की ओर अगल कदम हैं। हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि अगर भारत की जनता द्वारा प्रभावी रूप से इसका अनुसर्ण किया गया तो आनेवाले चंद वर्ष में स्वच्छता अभियान से पूरा देश भगवान का निवास स्थान बन जायेगा ।

पर्यावरण प्रदूषण

अर्थ : पर्यावर्ण शब्द में दो शब्द है । परि का अर्थ है ट्र चारों ओर । आवरण का अर्थ है आवृत्ति । अर्थात हमारे चारों जो प्राकृतिक संपात्ति है वही पर्यावर्ण है । प्रदूषण का अर्थ है कि कलंक । अर्थात प्रकृति सहज से असहज जो जाना ही प्रदूषण है ।

प्रकार : पर्यावरण प्रदूषण के चार प्रकार है

1. वायु प्रदूषण
2. जल प्रदूषण
3. ध्वनि प्रदूषण
4. भूमि प्रदूषण

कारण : नगर प्रदेशों में मोटार और कारखानों की संख्या बढ़ गयी है । इनमेम निकलनवाला काँर्बन डायाआक्सैड वायु में जाकर मिलने के कारण **बायु प्रदूषण** हो जाता है ।

जल प्रदूषण के अनेक कार्ण है कारखानों के विषैल पानी नदी–नालों में जा मिलने के कारण जल प्रदूषण हो जाता है ।

ध्वनि प्रदूषण बढती जनसंख्या के अनुसार कारखाने और मोटर वाहनों की संख्या बढ़ रही है । इनकी शोर से ध्वनि प्रदूषित हो जातीहै ।

रासायनिक खादों का उपयोग अधिक करने के कारण **भूमि प्रदूषित** हो जाती है ।

उपसंहार : मानव में जनसंख्याआ की अधिकता ही पर्यावर्ण–प्रदूषण के प्रमुख कारण है। इसकी रोकथाम के साथ पर्यावरण शुद्धि के कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए ।

गध्य पड़कर निम्न लिखित प्रश्नों का उत्तर लिखिए । 4 x 1 = 4

कवि परशुराम शुक्ल जी का जन्म 6 जून 1947 को उत्तर प्रदेश के कानपूर में हुआ था । आप प्रसिद्ध बाल साहित्यकार हैं । भारतीय वन्यजीव कृति पर आपको पुरस्कार प्राप्त हुआ है । समाज कल्याण मंत्रालय, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार से सम्मानित किया गया है ?

1. **परशुराम शुक्लजी का जन्म कब हुआ** ?
   उत्तर :– परशुराम शुक्ल जी का जन्म 6 जून 1947 में हुआ ।
2. **परशुराम शुक्लजी का जन्म कहाँ हुआ** ?
   उत्तर :– परशुराम शुक्ल जी का जन्म उत्तर प्रदेश के कानपूर में हुआ।
3. **परशुराम शुक्लजी के किस कृति के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ** ?
   उत्तर :– परशुराम शुक्लजी के भारतीय वन्यजीव कृति के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

HOOVINHADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

4. **परशुराम शुक्लजी को किसने सम्मानित किया** ?

उत्तर :– परशुराम शुक्लजी को भारत सरका के समाज क्ल्याण मंत्रालय और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय सम्मानित किया ।

दो अंकवाले प्रश्न और उत्तर **2 x 2 = 4**

1. **शनि किसका पुत्र है? 'शनैःचर' का अर्थ क्या है ?** *अथवा*
शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ? *अथवा*
शनि एक ठंडा ग्रह है कैसे ?
उत्तर : शनि सूर्य का पुत्र है । शनैःचर का अर्थ धीमी गति से चलने वाला है।

शनि का निर्माण हाईड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है ।

शनि ग्रह सूर्य से पृथ्वी की अपेक्षा करीब दस गुना अधिक दूर है। बहुत कम सूर्यताप उस ग्रह तक पहूँचता है । – पृथ्वी का मात्र सौवाँ हिस्सा । शनि के वायुमंडल का तापमान शून्य के नीचे 150^0 सेंटीग्रेड के आसपास रहता है । इसलिए शनि एक अत्यंत ठंडा ग्रह हैं।

2. **महात्मा गांधी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कथन है ?** *अथवा*
झूठ का सहरा लेते है तो क्या–क्या सहना पड़ता है ? *अथवा*
शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाय गया है ?

उत्तर : "सत्य एक विशाल वृक्ष है। उसका जितना आदर किया जाता है, उनते ही फल उसमें लगते हैं। उनका अंत नहीं होता" । सत्य बोलने की आदत बचपन से ही डालनी चाहिए।

झूठ बोलनेवालों से लोगों का विश्वास उठ जाता है। उनकी उन्नति के द्वार बंद हो जाता है।

शास्त्र में सत्य बोलने का नरीका 'सत्यं ब्रूयत, प्रियं ब्रूयत, न ब्रूयत, सत्यमप्रियम' अर्थात सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो ।

तीन अंकवाले प्रश्न और उत्तर **3 x 3 = 9**

1. भारत माँ के प्राकृतिक –सौंदर्य का वर्णन कीजिए ? *अथवा*
मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर : भारत माता के खेत हरे–भरे है, भारत के बने उपवन फल–फुलोंसे भारे हुए है। भरत भूमी के अंदर खनिजों का व्यापक धन भारा हुआ है। भारत माता सुख–संपत्ति, धन–धाम को मुक्त–हस्त से बाँट रही है।

मातृभूमि अमरों की जननी है। उसके ह्रदय में गांधी, बुद्ध और राम समाहित है। माँ के एक हाथ में न्याय पताका दूसरे हाथ में ज्ञान दिप है। इस प्रकार मातृभूमि का स्वरूप सुशोभित है ।

2. बसंत स्वभिमानी और ईमानदार लड़का था। कैसे ?

उत्तर : राजकिशोर बसंत से छलनी लेता है। बसंत मुफ्त के पैसे को भीख समझता था । इसलिए वह रजकिशोर से मुफ्त में पैसे लेने से इनकार करता है। छलनी खरीदने के बाद राजकिशोर ने एक रूपये का नोट बसंत को दिया ।

बसंत उस नोट को बुनाने के लिए बाजार की ओर गया। लिकिन वापस लौटते समय मोटर दुर्घटना से उसके दोनों पैर कुचले गये। इसलिए बसंत राजकिशोर के पास न लौट सका। जब उसे होश आया तो उसने तुरंत भाई प्रताप को पैसे लौटाने के लिए राजकिशोर के यहाँ भेजा । इस घटना से हमें लगता है कि बसंत ईमानदार और स्वाभीमानी भी है।

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

3. पं.राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए ।

उत्तर : बसंत का छोटा भाई प्रताप राजकिशोर के घर आता है और उन्हें पैसा लेने के लिए कहता है। प्रताप ने राजकिशोर से कहता है कि उसका भाई बसंत नोट बुनाकर वापस आते समय मोटर के नीचे आ गया और उसके क्दोनों पैर कुचल गये। यह सुनकर राजकिशोर को बहुत दुख होता है।

इससे प्रताप के साथ उसी समय बसंत को देखने चला जाता है और डाकटर को भी बुलावाया है । इसलिए उसे आस्पताल ले जाने को कहता है और एम्बुलेन्स को बुलाता है। इस प्रकार राजकिशोर कि मानवीय व्यवहार परिचय कराते है।

4. दोहे का भावर्थ लिखिए ।

तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक ।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक ॥

प्रस्तुत इस दोहे को गोस्वामी तुलसीदास द्वार रचित 'तुलसी के दोहे'से लिया गया हैं – इस दोहे में तुलसीदास कहते हैं कि– मनुष्य पर जब विपत्ति पड़ती है तब विद्या, विनय तथा विविक ही उसका साथ निभाते है । जो राम पर भरोसा करता है, वह साहसी, सत्यव्रत और सुकृतवान बनता है ।

राम नाम मनि दीप धरू, जीह देहरी द्वार ।
तुलसी भीतर बाहिरौ, जो चाहसी उजियार ।

प्रस्तुत इस दोहे को गोस्वामी तुलसीदास द्वार रचित 'तुलसी के दोहे'से लिया गया हैं – इस दोहे में तुलसीदास कहते हैं कि– जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के भीतर तथा आँगन में प्रकाश फैलता है, उसी तरह राम–राम जपने से मानव की अंतरिक और बाह्य शुध्दि होती है ।

चार अंकवाले प्रश्न और उत्तर **4 x 1 = 4**

1. कर्नटक के प्राकृतिक–सौंदर्य का वर्णन कीजिए ?

उत्तर : प्राकृति माता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से साँवारकर सुन्दर और समृद्ध बनाय है । कर्नाटक की प्रकृतिक सुषमा नयन मनोहर है। पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है । इसी प्रांत में दक्षिण में उत्तर के छोर तक फैली लम्बी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते है । इन्ही घाटों का कुछ भाग सहयाद्री कहलाता है । दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतमालाएँ शोभायमान है ।

2. कन्नड़ भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है ?

उत्तर : कर्नाटक के साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलाई हैं। वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे । अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्मों की सीख दी है ।

पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं। पप्प, रन्न, पोन्न, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान, काव्यों की रचना कर कन्नड़ साहित्य तथा संस्कृति को समृद्ध बनाया है ।

आधुनिक काल के साहित्यकार कुवेंपु, द.रा.बेंद्रे, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ.गोकाक, यु.आर. अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड और चंद्रशेखर कंबार ज्ञानपीठ पुरस्कार से अलंकृत हैं। यह कर्नाटक के लिए गौरव का विषय है ।

HOOLINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

औपचारिक पत्र

प्रेषक, **दिनांक :** 04-04-2018

रो.सं : 20180110101
10वीं कक्षा
सरकारी हाईस्कूल
नंदिहल्ली, हडगलि – ता

सेवा में,

प्रधानाध्यापक / प्रधानाध्यापिका /
कक्षाध्यापक / कक्षाध्यापिका
सरकारी हाईस्कूल
नंदिहल्ली, हडगलि – ता

आदरणीय महोदय

विषय : दो दिन छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र ।

– – –

सादर निवेदन है कि, **मेरा तबीयत ठीक नहीं हैं** । इसलिए मैं स्कूल नहीं आसकता ।

तारीख : **04-04-2018 से 05-04-2018** तक कुल मिलाकर दो दिन की छुट्टी देने की कृपा करें ।

सधन्यवाद

स्थान : नंदिहल्ली **आपका अज्ञाकारी शिष्य**
20180110101

{ मैं मेरे परिवार के साथ प्रवास जा रहा हूँ)
(मैं भाई का शादी में भाग लेना हैं, }

पारिवारिक पत्र

दिनंक : 04-04-2018

पूज्य पिताजी,
सादर प्रणाम ।

मैं यहँ आपके आशीर्वाद से कुशल हुँ। आपका पत्र मिला, पढ़कर अत्यंत खुशी हुई। मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है । आपकी अज्ञानुसार मन लगाकर दिन–रात पढ़ाई में व्यस्त रहता हूँ ।

हमारे स्कूल की ओर से अगले महीने 10 से 13 तारीख तक शैक्षिक – यात्रा का अयोजन हुआ है । इसलिए मनीआर्डर द्वारा मुझे तुरंत पाँच सौ रूपये भेजने की कृपा करें।

माताजी को मेरा प्रणाम ।

आपका प्रिय बेटा / बेटी
20180000000016

सेवा में,

श्री प्रभाकर बी. एन.
घर नं. 521 भारत निवास
कर्नाटक भवन के समीप
राजेश्वरी नगर,
बेंगलूरू –560001

(दसवीं कक्षा के कुछ आवश्यक पठय पुस्तक खरीदन हैं ।)

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

तुलसी के दोहे

– गोस्वामी तुलसीदास

1. मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक ।
   पालै पोसै सकल अँग, तुलसी सहित विवेक ॥

2. जड़–चेतन, गुण–दोषमय, विस्व कीन्ह करतार ।
   संत–हंस गुण गहहिं पय, परिहरि वारि विकार ॥

3. दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान ।
   तुलसी दया न छाँडिये, जब लग घट में प्राण ॥

4. तुलसी साथी विपत्ति के विद्या विनय विवेक ।
   साहस सुकृति सुसत्यव्रत राम भरोसो एक ॥

5. राम नाम मनि दीप धरू जीह देहरी द्वारा ।
   तुलसी भीतर बाहिरौ जो चाहसी उजियार ॥

कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती

– सोहनलाल द्विवेदी

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
कया कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम ।
कुछ किए बिना ही जय–जयकर नही होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती ।

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

शाला स्थारिय पूर्व तैयारी परीक्षा –2018 **अंक :** 80

कक्षा : 10वीं **विषय :** हिन्दी **समय :** 2.30 मिनिट

खंड – "क"

(पद्य,गद्या और पूरक वाचन)

I. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर एक– वाक्य में लिखिए । **6 x 1 = 6**

1. अब्दुल कलामजी बचपन में किस घर में रहते थे ?
2. बसंत को छलनी बेचने से कितने पैसे बचते थे ?
3. लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे ?
4. दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले किससे हुई ?
5. नर किन–किन को एक समान लाँघ सकता है ?
6. समय के जाने से क्या होता है ?

II. 7. स्तम्भ 'क' के वाक्यांशों के साथ स्तम्भ 'ख' के सही वाक्यांशों को जोडकर लिखिए । **4 x 1 = 4**

स्तम्भ – 'क'		**स्तम्भ – 'ख'**
i. हाथी		**क)** व्यंग्य रचना
ii. ईमानदारों के सम्मेलन		**ख)** पैर
iii. शाम को रोबोनिल		**ग)** मे प्राण
iv. जब लग घट		**घ)** और रोबोदीप मिले
		च) गुप्त आमंत्रण
		छ) राम भरोसो एक

III. प्रथम दो श्ब्दों के सूचित संबंधों के अनुरूप तीसरे श्ब्द का संबंधित श्ब्द लिखिए :– **4 x 1 = 4**

8. केला : पीला रंग :: सेब : _____
9. गुलाब : पौधा :: सोनजूही : _____
10. फेसबुक : वरदान :: हैकिंग : _____
11. बलभद्र : बलराम :: कान्ह : _____

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक दो या तीन वाक्यों में लिखिए :– **11 x 2 = 22**

12. दुकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा ?
13. लेखिका महादेवीवर्मा ने गिल्लू के प्राण कैसे बचे ?
14. "प्राकृति पर सर्वत्र है विजय पुरुष आसीन"– इस पंक्ति का आशय क्या है ?
15. नमाज के बारे में जैनुलाबदीन क्या कहते थे ?
16. व्यापार और बैंकिंग मे ईंटरनेट से क्या मदद मिलती है ?
17. रोबोदीप ने रोबोनिल से क्या कहा ?
18. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?
19. बालकृष्ण अपनी माता से क्या क्या शिकायते करता है ?
20. गाँव को आदर्श गाँव कैसे बनाया जा सकता है ?
21. शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

अथवा

शनि किसका पुत्र हैं ? शनै:चर का अर्थ क्या है ?

22. झूठ बोलनेवालों की हालत कैसी होती है ?

अथवा

नागरीकों के कर्तव्य के बारे में बताइए ?

HOOVINHADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक तीन या चार वाक्यों में लिखिए :– **4 x 3 = 12**

23. राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए ।

24. बिछेंद्री ने पहाड पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की ?

25. मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ? स्पष्ट कीजिए ।

26. निम्नलिखित दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए ।

मुखीया मुख सों चाहिए, खान पान को एक ।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ॥

VI. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच या छः वाक्यों में लिखिए :– **2 x 4 = 8**

27. कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

अथवा

कन्नड़ भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है ?

VII. 28. निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए :–

असफलता . . . . . .
. . . . . .
. . . . . .
. . . . . मत भागो तुम ।

अथवा

तुलसी साथी . . . . . .
. . . . . राम भरोसो एक ।

खंड – " ख "

(व्याकरणांश)

VII. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए चार – चार विकल्प दिये गये है, जिनमें एक मात्र सही उत्तर है। सही उत्तर चुनकर प्रश्नों के नीचे दिये गये रिक्त स्थानों में उसके संकेताक्षर सहित पूर्ण रूप से लिखिए :– **1 x 8 = 8**

29. 'अध्यापक' शब्द का अन्य लिंग रूप हैं :–
A) अध्यापकी B) अध्यापिका C) अध्यापको D) अध्यापकाएँ

30. ' पेड ' शब्द का अन्य वचन रूप है : –
A) पेड B) पेडों C) पेडा D) पेडें

31. ' दौडना ' शब्द का द्वितीय प्रेरणार्थक रूप हैं :–
A) दौड B) दौडाना C) दौडवाना D) दौडना

32. ' सदैव ' किस संधि का उदाहरण हैं । :–
A) वृद्धी संधि B) दीर्घ संधि C) गुण संधि D) यण संधि

33. " काम आना " मुहावरे का अर्थ है : –
A) प्रतिक्षा करना B) इस्तेमाल होना C) प्रभात होना D) खुश होना

34. ' ईमान ' शब्द का विलोम पद हैं :–
A) बेईमान B) अनुमान C) अपमान D) सम्मान

35. आपका नाम क्या है ? यहाँ प्रयुक्त विराम चिन्ह हैं :–
A) पूर्ण विराम B) प्रश्न वाचक C) अर्धविराम D) भावसूचक

36. इनमें द्वंद्व समास का उदाहरण है :–
A) सीता–राम B) सतसई C) धनहीन D) आजन्म

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

खंड – " ग "

(रचना – अपठित गद्यांश, अनुवाद, पत्रलेखन और निबंध)

VIII. निम्नलिखित गद्यांश पढकर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए :– **4**

हास्य नीरस जीवन को सुखद बना देता है। हास्य का जादु सुगंध की तरह चारों ओर फैल जाता है । मनुष्य को जीवन में कितनी मुसीबतों का सामना करना पडता है कि वह अपने जीवन को बहुत मुश्किल समझने लगता है । ऐसे कठिण जीवन को जीने योग्य बनाने के लिए जीवन में हँसने का अवकाश हो । हँसी के सहारे मनुष्य अपने कष्टों को भूलने का प्रयत्न करता है । तनाव, व्यस्तता, संघर्ष आदि आज के लिए यह आवश्यक है कि हम हँसना सीखो ।

37. नीरस जीवन को सुखद कौन बनाता है ?
38. आज के जीवन की सहज देन क्या है ?
39. कठिण जीवन को जीने योग्य बनाने के लिए क्या जरूरी है ?
40. हास्य का जादू कैसे फैलता है

IX. निम्नलिखित वाक्यों का अनुवाद कन्नड या अंग्रेजी में लिखिए :– **1 x 4 = 4**

41. गिल्लू मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता था ।
42. स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ ।
43. मुझे लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है ।
44. कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में है ।

X. 45. पढाई के बारे में बताते हुए अपने पिताजी के नाम पर पत्र लिखिए । **4**

अथवा

बहन की शादी में भाग लेने के लिए चार दिन की छुट्टी माँगते हुए प्रधानाध्यापक के नाम पर पत्र लिखिए ।

XI. 46. दिये गये संकेत बिंदुओं के आधार पर 15-20 वाक्यों में एक निबंध लिखिए । **4**

क) पर्यावरण की रक्षा

- प्रसतावना
- रक्षा के लिए उपाय
- उपसंहार

ख) जनसंख्या वृद्धी

- प्रस्तावना
- वृद्धी के कारण और समस्या
- उपसंहार

ग) स्त्री शिक्षा

- प्रस्तावना
- उपयोग और महत्व
- उपसंहार

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

परीक्षा में उत्तर लिखने के लिए अंक के आधार पर
समय विभाजन

क्र.सं.	प्रश्नों के विधा	अंक	प्रश्नों की संख्या	निर्धारित समय
1	विकल्पित प्रश्न	8	8	8 मिनिट
2.	जोड़कर लिखिए	4	1 (4)	5 मिनिट
3.	अनुरूपता	4	4	5 मिनिट
4.	एक वाक्यों में	6	6	12 मिनिट
5.	दो – तीन वाक्यों म	22	11	30 मिनिट
6.	तीन – चार वाक्यों में	12	4	20 मिनिट
7.	पद्य भाग पूर्ण कीजिए	4	1	5 मिनिट
8.	पाँच–छः वाक्यों में	4	1	10 मिनिट
9.	अनदेखे गद्यांश	4	4	5 मिनिट
10.	अनुवाद	4	4	10 मिनिट
11.	निबंध	4	1	15 मिनिट
12.	पत्र	4	1	15 मिनिट
13.	अवलोकन के लिए	-	-	10 मिनिट
कुल		**80**	**49**	**150 मिनिट**

इस पासिंग प्याकेज़ निम्न लिखित अंक पर अधारित है।

- ➔ जोड़कर लिखिए – 4 अंक
- ➔ अनुरूपता – 4 अंक
- ➔ व्याकरणांश – 8 अंक
- ➔ अनुवाद – 4 अंक
- ➔ निबंध – 4 अंक
- ➔ अनदेखे गधांश – 4 अंक
- ➔ दो अंकवाले प्रश्न – 4 अंक
- ➔ तीन अंकवाले प्रश्न – 9 अंक
- ➔ चार अंकवाले प्रश्न – 4 अंक
- ➔ पत्र – 4 अंक
- ➔ पद्य – 4 अंक

कुल – 53 अंक

HOOVINA HADAGALI TALUK SCOURING PACKEGE

आधार पत्रक

समय : 2½ घंटे | दसवीं कक्षा तृतीय भाषा हिंदी [61 H] | अंक : 80

X Standard Third Language Hindi [61 H]

विषय–वस्तु	स्मरण रखना					समझना					अभिव्यक्ति					रसग्रहण					कुल प्रश्न	कुल अंक
	व.नि.	अ.ल.	ल.उ.		दी.उ.	व.नि.	अ.ल.	ल.उ.		दी.उ.	व.नि.	अ.ल.	ल.उ.		दी.उ.	व.नि.	अ.ल.	ल.उ.		दी.उ.		
	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक	1अंक	1अंक	2अंक	3अंक	4अंक		
गद्य भाग :																						
कश्मीरी सेब						(1)1अ		(1)2													2	3
गिल्लू						(1)1अ		(1)2													2	3
मेरा बचपन			(1)2				(1)1														2	3
बसंत की सच्चाई							(1)1							(1)3							2	4
इंटरनेट क्रांति						(1)1अ		(1)2													2	3
ईमानदारी के सम्मेलन में		(1)1				(1)1जो															2	2
दुनिया में पहला मकान	(1)1जो						(1)1														2	2
रोबोट						(1)1जो		(1)2													2	3
महिला की साहस गाथा														(1)3							1	3
कर्नाटक संपदा															(1)4*						1	4
बाल–शक्ति			(1)2																		1	2
पद्य भाग :																						
मातृभूमि														(1)3							1	3
अभिनव मनुष्य		(1)1						(1)2													2	3
तुलसी के दोहे						(1)1जो													(1)3		2	4
समय की पहचान							(1)1	(1)2													2	3
सूर–श्याम						(1)1अ		(1)2													2	3
कोशिश करनेवालों की					(1)4*																1	4
पूरक वाचन भाग :																						
शनि; सबसे सुंदर ग्रह			(1)2*																		1	2
सत्य का महिमा								(1)2*													1	2
नागरिक के कर्तव्य																						
व्याकरण भाग :																						
व्याकरण	(3)1					(5)1															8	8
रचना भाग :																						
अपठित गद्यांश							(4)1														4	4
अनुवाद												(4)1									4	4
पत्र लेखन															(1)4*						1	4
निबंध रचना															(1)4*						1	4
कुल योग	(10)16					(28)36					(10)25					(1)3					**49**	**80**

सूचनाएँ :– 1. कोष्ठक के अंदर प्रश्नों की संख्या और बाहर अंक इंगित है ।

2. " * " चिह्न आंतरिक विकल्प का सूचक है ।

दसवीं कक्षा तृतीय भाषा हिंदी [61 H]
X Standard Third Language Hindi [61 H]
आधार–पत्रक के लिए प्रश्न–पत्र का अभिकल्प
Question Paper Design for Blue Print

उद्देश्यों की दृष्टि से अंकभार – Weightage to Objectives : –

उद्देश्य	अंक	प्रतिशत
स्मरण रखना	16	20%
समझना	36	45%
अभिव्यक्ति	25	31%
रसग्रहण	03	4%
कुल	80	100%

विषय–वस्तु की दृष्टि से अंकभार – Weightage to Contents : –

विषय–वस्तु	अंक	प्रतिशत
गद्य	32	40%
पद्य	20	25%
व्याकरण	08	10%
रचना	16	20%
पूरक वाचन	04	05%
कुल	80	100%

प्रश्न–प्रकार की दृष्टि से अंकभार – Weightage to Types of Question : –

प्रश्न–प्रकार		प्रश्नों की संख्य	अंक	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठ	1. बहुविकल्पीय	08	08	10%
	2. अनुरूपता	04	04	05%
	3. जोड़कर लिखना	04	04	05%
अति लघूत्तर		14	14	17.5%
लघूत्तर	1. दो अंकवाले	11	22	27.5%
	2. तीन अंकवाले	04	12	15%
दीर्घोत्तर	1. चार अंकवाले	04	16	20%
कुल		49	80	100%

कठिनता की स्तर की दृष्टि से अंकभार – Weightage to Difficulty Level : –

कठिनता की स्तर	अंक	प्रतिशत
सरल	24	30%
सामान्य	40	50%
कठिन	16	20%
कुल	80	100%